

Plan para leer
LA BIBLIA
en dos años



Plan para leer
La Biblia
en dos años

*Un plan conciso para
leer toda la Biblia en dos años.*
(Salmos y el Nuevo Testamento dos veces)

Y estos (*los de Berea*) eran más nobles que los que estaban en Tesalónica, pues recibieron la palabra con toda solicitud, escudriñando cada día las Escrituras para ver si estas cosas eran así.
Hechos 17:11

Toda Escritura es inspirada por Dios y útil para enseñar, para redargüir, para corregir, para instruir en justicia, a fin de que el hombre de Dios sea perfecto, enteramente preparado para toda buena obra.
2da, Timoteo 3: 16 y 17

© 2015 – Sociedad Bíblica Trinitaria
927 Alpine Commerce Park NW - Suite 100
Grand Rapids - Michigan 49544 – EE.UU.
www.SociedadBiblicaTrinitaria.org

Plan de lectura diario - primer año

Enero

| | | |
|-----------|----------|---------|
| 1 | Ge. 1 | Mat. 1 |
| 2 | Ge. 2 | Mat. 2 |
| 3 | Ge. 3 | Mat. 3 |
| 4 | Ge. 4 | Mat. 4 |
| 5 | Ge. 5 | Mat. 5 |
| 6 | Ge. 6 | Mat. 6 |
| 7 | Ge. 7 | Mat. 7 |
| 8 | Ge. 8 | Mat. 8 |
| 9 | Ge. 9–10 | Mat. 9 |
| 10 | Ge. 11 | Mat. 10 |
| 11 | Ge. 12 | Mat. 11 |
| 12 | Ge. 13 | Mat. 12 |
| 13 | Ge. 14 | Mat. 13 |
| 14 | Ge. 15 | Mat. 14 |
| 15 | Ge. 16 | Mat. 15 |
| 16 | Ge. 17 | Mat. 16 |
| 17 | Ge. 18 | Mat. 17 |
| 18 | Ge. 19 | Mat. 18 |
| 19 | Ge. 20 | Mat. 19 |
| 20 | Ge. 21 | Mat. 20 |
| 21 | Ge. 22 | Mat. 21 |
| 22 | Ge. 23 | Mat. 22 |
| 23 | Ge. 24 | Mat. 23 |
| 24 | Ge. 25 | Mat. 24 |
| 25 | Ge. 26 | Mat. 25 |
| 26 | Ge. 27 | Mat. 26 |
| 27 | Ge. 28 | Mat. 27 |
| 28 | Ge. 29 | Mat. 28 |
| 29 | Ge. 30 | Mar. 1 |
| 30 | Ge. 31 | Mar. 2 |
| 31 | Ge. 32 | Mar. 3 |

Febrero

| | | |
|-----------|----------------|-------------|
| 1 | Ge. 33 | Mar. 4 |
| 2 | Ge. 34 | Mar. 5 |
| 3 | Ge. 35–36 | Mar. 6 |
| 4 | Ge. 37 | Mar. 7 |
| 5 | Ge. 38 | Mar. 8 |
| 6 | Ge. 39 | Mar. 9 |
| 7 | Ge. 40 | Mar. 10 |
| 8 | Ge. 41 | Mar. 11 |
| 9 | Ge. 42 | Mar. 12 |
| 10 | Ge. 43 | Mar. 13 |
| 11 | Ge. 44 | Mar. 14 |
| 12 | Ge. 45 | Mar. 15 |
| 13 | Ge. 46 | Mar. 16 |
| 14 | Ge. 47 | Lu. 1.1–38 |
| 15 | Ge. 48 | Lu. 1.39–80 |
| 16 | Ge. 49 | Lu. 2 |
| 17 | Ge. 50 | Lu. 3 |
| 18 | Ex. 1 | Lu. 4 |
| 19 | Ex. 2 | Lu. 5 |
| 20 | Ex. 3 | Lu. 6 |
| 21 | Ex. 4 | Lu. 7 |
| 22 | Ex. 5 | Lu. 8 |
| 23 | Ex. 6 | Lu. 9 |
| 24 | Ex. 7 | Lu. 10 |
| 25 | Ex. 8 | Lu. 11 |
| 26 | Ex. 9 | Lu. 12 |
| 27 | Ex. 10 | Lu. 13 |
| 28 | Ex. 11.1–12.21 | Lu. 14 |

Plan de lectura diario - primer año

Marzo

| | | |
|-----------|--------------|--------|
| 1 | Ex. 12.22-51 | Lu. 15 |
| 2 | Ex. 13 | Lu. 16 |
| 3 | Ex. 14 | Lu. 17 |
| 4 | Ex. 15 | Lu. 18 |
| 5 | Ex. 16 | Lu. 19 |
| 6 | Ex. 17 | Lu. 20 |
| 7 | Ex. 18 | Lu. 21 |
| 8 | Ex. 19 | Lu. 22 |
| 9 | Ex. 20 | Lu. 23 |
| 10 | Ex. 21 | Lu. 24 |
| 11 | Ex. 22 | Jn. 1 |
| 12 | Ex. 23 | Jn. 2 |
| 13 | Ex. 24 | Jn. 3 |
| 14 | Ex. 25 | Jn. 4 |
| 15 | Ex. 26 | Jn. 5 |
| 16 | Ex. 27 | Jn. 6 |
| 17 | Ex. 28 | Jn. 7 |
| 18 | Ex. 29 | Jn. 8 |
| 19 | Ex. 30 | Jn. 9 |
| 20 | Ex. 31 | Jn. 10 |
| 21 | Ex. 32 | Jn. 11 |
| 22 | Ex. 33 | Jn. 12 |
| 23 | Ex. 34 | Jn. 13 |
| 24 | Ex. 35 | Jn. 14 |
| 25 | Ex. 36 | Jn. 15 |
| 26 | Ex. 37 | Jn. 16 |
| 27 | Ex. 38 | Jn. 17 |
| 28 | Ex. 39 | Jn. 18 |
| 29 | Ex. 40 | Jn. 19 |
| 30 | Lv. 1 | Jn. 20 |
| 31 | Lv. 2-3 | Jn. 21 |

Abril

| | | |
|-----------|-----------|------------|
| 1 | Lv. 4 | Sal. 1-2 |
| 2 | Lv. 5 | Sal. 3-4 |
| 3 | Lv. 6 | Sal. 5-6 |
| 4 | Lv. 7 | Sal. 7-8 |
| 5 | Lv. 8 | Sal. 9 |
| 6 | Lv. 9 | Sal. 10 |
| 7 | Lv. 10 | Sal. 11-12 |
| 8 | Lv. 11-12 | Sal. 13-14 |
| 9 | Lv. 13 | Sal. 15-16 |
| 10 | Lv. 14 | Sal. 17 |
| 11 | Lv. 15 | Sal. 18 |
| 12 | Lv. 16 | Sal. 19 |
| 13 | Lv. 17 | Sal. 20-21 |
| 14 | Lv. 18 | Sal. 22 |
| 15 | Lv. 19 | Sal. 23-24 |
| 16 | Lv. 20 | Sal. 25 |
| 17 | Lv. 21 | Sal. 26-27 |
| 18 | Lv. 22 | Sal. 28-29 |
| 19 | Lv. 23 | Sal. 30 |
| 20 | Lv. 24 | Sal. 31 |
| 21 | Lv. 25 | Sal. 32 |
| 22 | Lv. 26 | Sal. 33 |
| 23 | Lv. 27 | Sal. 34 |
| 24 | Nm. 1 | Sal. 35 |
| 25 | Nm. 2 | Sal. 36 |
| 26 | Nm. 3 | Sal. 37 |
| 27 | Nm. 4 | Sal. 38 |
| 28 | Nm. 5 | Sal. 39 |
| 29 | Nm. 6 | Sal. 40-41 |
| 30 | Nm. 7 | Sal. 42-43 |

Plan de lectura diario - primer año

Mayo

| | | |
|-----------|-----------|---------------|
| 1 | Nm. 8 | Sal. 44 |
| 2 | Nm. 9 | Sal. 45 |
| 3 | Nm. 10 | Sal. 46–47 |
| 4 | Nm. 11 | Sal. 48 |
| 5 | Nm. 12–13 | Sal. 49 |
| 6 | Nm. 14 | Sal. 50 |
| 7 | Nm. 15 | Sal. 51 |
| 8 | Nm. 16 | Sal. 52–54 |
| 9 | Nm. 17–18 | Sal. 55 |
| 10 | Nm. 19 | Sal. 56–57 |
| 11 | Nm. 20 | Sal. 58–59 |
| 12 | Nm. 21 | Sal. 60–61 |
| 13 | Nm. 22 | Sal. 62–63 |
| 14 | Nm. 23 | Sal. 64–65 |
| 15 | Nm. 24 | Sal. 66–67 |
| 16 | Nm. 25 | Sal. 68 |
| 17 | Nm. 26 | Sal. 69 |
| 18 | Nm. 27 | Sal. 70–71 |
| 19 | Nm. 28 | Sal. 72 |
| 20 | Nm. 29 | Sal. 73 |
| 21 | Nm. 30 | Sal. 74 |
| 22 | Nm. 31 | Sal. 75–76 |
| 23 | Nm. 32 | Sal. 77 |
| 24 | Nm. 33 | Sal. 78.1–37 |
| 25 | Nm. 34 | Sal. 78.38–72 |
| 26 | Nm. 35 | Sal. 79 |
| 27 | Nm. 36 | Sal. 80 |
| 28 | Dt. 1 | Sal. 81–82 |
| 29 | Dt. 2 | Sal. 83–84 |
| 30 | Dt. 3 | Sal. 85 |
| 31 | Dt. 4 | Sal. 86–87 |

Junio

| | | |
|-----------|----------------|------------------|
| 1 | Dt. 5 | Sal. 88 |
| 2 | Dt. 6 | Sal. 89 |
| 3 | Dt. 7 | Sal. 90 |
| 4 | Dt. 8 | Sal. 91 |
| 5 | Dt. 9 | Sal. 92–93 |
| 6 | Dt. 10 | Sal. 94 |
| 7 | Dt. 11 | Sal. 95–96 |
| 8 | Dt. 12 | Sal. 97–98 |
| 9 | Dt. 13–14 | Sal. 99–101 |
| 10 | Dt. 15 | Sal. 102 |
| 11 | Dt. 16 | Sal. 103 |
| 12 | Dt. 17 | Sal. 104 |
| 13 | Dt. 18 | Sal. 105 |
| 14 | Dt. 19 | Sal. 106 |
| 15 | Dt. 20 | Sal. 107 |
| 16 | Dt. 21 | Sal. 108–109 |
| 17 | Dt. 22 | Sal. 110–111 |
| 18 | Dt. 23 | Sal. 112–113 |
| 19 | Dt. 24 | Sal. 114–115 |
| 20 | Dt. 25 | Sal. 116 |
| 21 | Dt. 26 | Sal. 117–118 |
| 22 | Dt. 27.1–28.19 | Sal. 119.1–24 |
| 23 | Dt. 28.20–68 | Sal. 119.25–48 |
| 24 | Dt. 29 | Sal. 119.49–72 |
| 25 | Dt. 30 | Sal. 119.73–96 |
| 26 | Dt. 31 | Sal. 119.97– |
| 27 | Dt. 32 | Sal. 119.121–144 |
| 28 | Dt. 33–34 | Sal. 119.145–176 |
| 29 | Jos. 1 | Sal. 120–122 |
| 30 | Jos. 2 | Sal. 123–125 |

Plan de lectura diario - primer año

| <i>Julio</i> | | | <i>Agosto</i> | | |
|--------------|-----------------|--------------|---------------|------------|--------|
| 1 | Jos. 3 | Sal. 126–128 | 1 | Jue. 15 | Hch. |
| 2 | Jos. 4 | Sal. 129–131 | 2 | Jue. 16 | Hch. |
| 3 | Jos. 5.1–6.5 | Sal. 132–134 | 3 | Jue. 17 | Hch. |
| 4 | Jos. 6.6–27 | Sal. 135–136 | 4 | Jue. 18 | Hch. |
| 5 | Jos. 7 | Sal. 137–138 | 5 | Jue. 19 | Hch. |
| 6 | Jos. 8 | Sal. 139 | 6 | Jue. 20 | Hch. |
| 7 | Jos. 9 | Sal. 140–141 | 7 | Jue. 21 | Hch. |
| 8 | Jos. 10 | Sal. 142–143 | 8 | Ru. 1 | Hch. |
| 9 | Jos. 11 | Sal. 144 | 9 | Ru. 2 | Hch. |
| 10 | Jos. 12–13 | Sal. 145 | 10 | Ru. 3–4 | Hch. |
| 11 | Jos. 14–15 | Sal. 146–147 | 11 | 1Sa. 1 | Ro. 1 |
| 12 | Jos. 16–17 | Sal. 148 | 12 | 1Sa. 2 | Ro. 2 |
| 13 | Jos. 18–19 | Sal. 149–150 | 13 | 1Sa. 3 | Ro. 3 |
| 14 | Jos. 20–21 | Hch. 1 | 14 | 1Sa. 4 | Ro. 4 |
| 15 | Jos. 22 | Hch. 2 | 15 | 1Sa. 5–6 | Ro. 5 |
| 16 | Jos. 23 | Hch. 3 | 16 | 1Sa. 7–8 | Ro. 6 |
| 17 | Jos. 24 | Hch. 4 | 17 | 1Sa. 9 | Ro. 7 |
| 18 | Jue. 1 | Hch. 5 | 18 | 1Sa. 10 | Ro. 8 |
| 19 | Jue. 2 | Hch. 6 | 19 | 1Sa. 11 | Ro. 9 |
| 20 | Jue. 3 | Hch. 7 | 20 | 1Sa. 12 | Ro. 10 |
| 21 | Jue. 4 | Hch. 8 | 21 | 1Sa. 13 | Ro. 11 |
| 22 | Jue. 5 | Hch. 9 | 22 | 1Sa. 14 | Ro. 12 |
| 23 | Jue. 6 | Hch. 10 | 23 | 1Sa. 15 | Ro. 13 |
| 24 | Jue. 7 | Hch. 11 | 24 | 1Sa. 16 | Ro. 14 |
| 25 | Jue. 8 | Hch. 12 | 25 | 1Sa. 17 | Ro. 15 |
| 26 | Jue. 9 | Hch. 13 | 26 | 1Sa. 18 | Ro. 16 |
| 27 | Jue. 10.1–11.11 | Hch. 14 | 27 | 1Sa. 19 | 1Co. 1 |
| 28 | Jue. 11.12–40 | Hch. 15 | 28 | 1Sa. 20 | 1Co. 2 |
| 29 | Jue. 12 | Hch. 16 | 29 | 1Sa. 21–22 | 1Co. 3 |
| 30 | Jue. 13 | Hch. 17 | 30 | 1Sa. 23 | 1Co. 4 |
| 31 | Jue. 14 | Hch. 18 | 31 | 1Sa. 24 | 1Co. 5 |

Plan de lectura diario - primer año

Septiembre

| | | |
|-----------|------------|---------|
| 1 | 1Sa. 25 | 1Co. 6 |
| 2 | 1Sa. 26 | 1Co. 7 |
| 3 | 1Sa. 27 | 1Co. 8 |
| 4 | 1Sa. 28 | 1Co. 9 |
| 5 | 1Sa. 29–30 | 1Co. 10 |
| 6 | 1Sa. 31 | 1Co. 11 |
| 7 | 2Sa. 1 | 1Co. 12 |
| 8 | 2Sa. 2 | 1Co. 13 |
| 9 | 2Sa. 3 | 1Co. 14 |
| 10 | 2Sa. 4–5 | 1Co. 15 |
| 11 | 2Sa. 6 | 1Co. 16 |
| 12 | 2Sa. 7 | 2Co. 1 |
| 13 | 2Sa. 8–9 | 2Co. 2 |
| 14 | 2Sa. 10 | 2Co. 3 |
| 15 | 2Sa. 11 | 2Co. 4 |
| 16 | 2Sa. 12 | 2Co. 5 |
| 17 | 2Sa. 13 | 2Co. 6 |
| 18 | 2Sa. 14 | 2Co. 7 |
| 19 | 2Sa. 15 | 2Co. 8 |
| 20 | 2Sa. 16 | 2Co. 9 |
| 21 | 2Sa. 17 | 2Co. 10 |
| 22 | 2Sa. 18 | 2Co. 11 |
| 23 | 2Sa. 19 | 2Co. 12 |
| 24 | 2Sa. 20 | 2Co. 13 |
| 25 | 2Sa. 21 | Ga. 1 |
| 26 | 2Sa. 22 | Ga. 2 |
| 27 | 2Sa. 23 | Ga. 3 |
| 28 | 2Sa. 24 | Ga. 4 |
| 29 | 1Re.1 | Ga. 5 |
| 30 | 1Re.2 | Ga. 6 |

Octubre

| | | |
|-----------|------------|--------|
| 1 | 1Re.3 | Ef. 1 |
| 2 | 1Re.4–5 | Ef. 2 |
| 3 | 1Re.6 | Ef. 3 |
| 4 | 1Re.7 | Ef. 4 |
| 5 | 1Re.8 | Ef. 5 |
| 6 | 1Re.9 | Ef. 6 |
| 7 | 1Re.10 | Flp. 1 |
| 8 | 1Re.11 | Flp. 2 |
| 9 | 1Re.12 | Flp. 3 |
| 10 | 1Re.13 | Flp. 4 |
| 11 | 1Re.14 | Col. 1 |
| 12 | 1Re.15 | Col. 2 |
| 13 | 1Re.16 | Col. 3 |
| 14 | 1Re.17 | Col. 4 |
| 15 | 1Re.18 | 1Ts.1 |
| 16 | 1Re.19 | 1Ts.2 |
| 17 | 1Re.20 | 1Ts.3 |
| 18 | 1Re.21 | 1Ts.4 |
| 19 | 1Re.22 | 1Ts.5 |
| 20 | 2Re. 1 | 2Ts.1 |
| 21 | 2Re. 2 | 2Ts.2 |
| 22 | 2Re. 3 | 2Ts.3 |
| 23 | 2Re. 4 | 1Ti. 1 |
| 24 | 2Re. 5 | 1Ti. 2 |
| 25 | 2Re. 6 | 1Ti. 3 |
| 26 | 2Re. 7 | 1Ti. 4 |
| 27 | 2Re. 8 | 1Ti. 5 |
| 28 | 2Re. 9 | 1Ti. 6 |
| 29 | 2Re. 10 | 2Ti. 1 |
| 30 | 2Re. 11–12 | 2Ti. 2 |
| 31 | 2Re. 13 | 2Ti. 3 |

Plan de lectura diario - primer año

Noviembre

| | | |
|-----------|------------|---------|
| 1 | 2Re. 14 | 2Ti. 4 |
| 2 | 2Re. 15 | Tit. 1 |
| 3 | 2Re. 16 | Tit. 2 |
| 4 | 2Re. 17 | Tit. 3 |
| 5 | 2Re. 18 | PhiLv. |
| 6 | 2Re. 19 | Heb. 1 |
| 7 | 2Re. 20 | Heb. 2 |
| 8 | 2Re. 21 | Heb. 3 |
| 9 | 2Re. 22 | Heb. 4 |
| 10 | 2Re. 23 | Heb. 5 |
| 11 | 2Re. 24 | Heb. 6 |
| 12 | 2Re. 25 | Heb. 7 |
| 13 | 1Cr. 1-2 | Heb. 8 |
| 14 | 1Cr. 3-4 | Heb. 9 |
| 15 | 1Cr. 5-6 | Heb. 10 |
| 16 | 1Cr. 7-8 | Heb. 11 |
| 17 | 1Cr. 9-10 | Heb. 12 |
| 18 | 1Cr. 11-12 | Heb. 13 |
| 19 | 1Cr. 13-14 | Stg. 1 |
| 20 | 1Cr. 15 | Stg. 2 |
| 21 | 1Cr. 16 | Stg. 3 |
| 22 | 1Cr. 17 | Stg. 4 |
| 23 | 1Cr. 18 | Stg. 5 |
| 24 | 1Cr. 19-20 | 1Pe. 1 |
| 25 | 1Cr. 21 | 1Pe. 2 |
| 26 | 1Cr. 22 | 1Pe. 3 |
| 27 | 1Cr. 23 | 1Pe. 4 |
| 28 | 1Cr. 24-25 | 1Pe. 5 |
| 29 | 1Cr. 26-27 | 2Pe. 1 |
| 30 | 1Cr. 28 | 2Pe. 2 |

Diciembre

| | | |
|-----------|---------------|--------|
| 1 | 1Cr. 29 | 2Pe. 3 |
| 2 | 2Cr. 1 | 1Jn. 1 |
| 3 | 2Cr. 2 | 1Jn. 2 |
| 4 | 2Cr. 3-4 | 1Jn. 3 |
| 5 | 2Cr. 5.1-6.11 | 1Jn. 4 |
| 6 | 2Cr. 6.12-42 | 1Jn. 5 |
| 7 | 2Cr. 7 | 2Jn. |
| 8 | 2Cr. 8 | 3Jn. |
| 9 | 2Cr. 9 | Jude |
| 10 | 2Cr. 10 | Ap.1 |
| 11 | 2Cr. 11-12 | Ap.2 |
| 12 | 2Cr. 13 | Ap.3 |
| 13 | 2Cr. 14-15 | Ap.4 |
| 14 | 2Cr. 16 | Ap.5 |
| 15 | 2Cr. 17 | Ap.6 |
| 16 | 2Cr. 18 | Ap.7 |
| 17 | 2Cr. 19-20 | Ap.8 |
| 18 | 2Cr. 21 | Ap.9 |
| 19 | 2Cr. 22-23 | Ap.10 |
| 20 | 2Cr. 24 | Ap.11 |
| 21 | 2Cr. 25 | Ap.12 |
| 22 | 2Cr. 26 | Ap.13 |
| 23 | 2Cr. 27-28 | Ap.14 |
| 24 | 2Cr. 29 | Ap.15 |
| 25 | 2Cr. 30 | Ap.16 |
| 26 | 2Cr. 31 | Ap.17 |
| 27 | 2Cr. 32 | Ap.18 |
| 28 | 2Cr. 33 | Ap.19 |
| 29 | 2Cr. 34 | Ap.20 |
| 30 | 2Cr. 35 | Ap.21 |
| 31 | 2Cr. 36 | Ap.22 |

Plan de lectura diario - segundo año

Enero

| | | |
|-----------|---------|---------|
| 1 | Esd. 1 | Hch. 1 |
| 2 | Esd. 2 | Hch. 2 |
| 3 | Esd. 3 | Hch. 3 |
| 4 | Esd. 4 | Hch. 4 |
| 5 | Esd. 5 | Hch. 5 |
| 6 | Esd. 6 | Hch. 6 |
| 7 | Esd. 7 | Hch. 7 |
| 8 | Esd. 8 | Hch. 8 |
| 9 | Esd. 9 | Hch. 9 |
| 10 | Esd. 10 | Hch. 10 |
| 11 | Neh. 1 | Hch. 11 |
| 12 | Neh. 2 | Hch. 12 |
| 13 | Neh. 3 | Hch. 13 |
| 14 | Neh. 4 | Hch. 14 |
| 15 | Neh. 5 | Hch. 15 |
| 16 | Neh. 6 | Hch. 16 |
| 17 | Neh. 7 | Hch. 17 |
| 18 | Neh. 8 | Hch. 18 |
| 19 | Neh. 9 | Hch. 19 |
| 20 | Neh. 10 | Hch. 20 |
| 21 | Neh. 11 | Hch. 21 |
| 22 | Neh. 12 | Hch. 22 |
| 23 | Neh. 13 | Hch. 23 |
| 24 | Est. 1 | Hch. 24 |
| 25 | Est. 2 | Hch. 25 |
| 26 | Est. 3 | Hch. 26 |
| 27 | Est. 4 | Hch. 27 |
| 28 | Est. 5 | Hch. 28 |
| 29 | Est. 6 | Ro. 1 |
| 30 | Est. 7 | Ro. 2 |
| 31 | Est. 8 | Ro. 3 |

Febrero

| | | |
|-----------|-----------|---------|
| 1 | Est. 9–10 | Ro. 4 |
| 2 | Job 1 | Ro. 5 |
| 3 | Job 2 | Ro. 6 |
| 4 | Job 3 | Ro. 7 |
| 5 | Job 4 | Ro. 8 |
| 6 | Job 5 | Ro. 9 |
| 7 | Job 6 | Ro. 10 |
| 8 | Job 7 | Ro. 11 |
| 9 | Job 8 | Ro. 12 |
| 10 | Job 9 | Ro. 13 |
| 11 | Job 10 | Ro. 14 |
| 12 | Job 11 | Ro. 15 |
| 13 | Job 12 | Ro. 16 |
| 14 | Job 13 | 1Co. 1 |
| 15 | Job 14 | 1Co. 2 |
| 16 | Job 15 | 1Co. 3 |
| 17 | Job 16–17 | 1Co. 4 |
| 18 | Job 18 | 1Co. 5 |
| 19 | Job 19 | 1Co. 6 |
| 20 | Job 20 | 1Co. 7 |
| 21 | Job 21 | 1Co. 8 |
| 22 | Job 22 | 1Co. 9 |
| 23 | Job 23 | 1Co. 10 |
| 24 | Job 24 | 1Co. 11 |
| 25 | Job 25–26 | 1Co. 12 |
| 26 | Job 27 | 1Co. 13 |
| 27 | Job 28 | 1Co. 14 |
| 28 | Job 29 | 1Co. 15 |

Plan de lectura diario - segundo año

Marzo

| | | |
|-----------|--------|---------|
| 1 | Job 30 | 1Co. 16 |
| 2 | Job 31 | 2Co. 1 |
| 3 | Job 32 | 2Co. 2 |
| 4 | Job 33 | 2Co. 3 |
| 5 | Job 34 | 2Co. 4 |
| 6 | Job 35 | 2Co. 5 |
| 7 | Job 36 | 2Co. 6 |
| 8 | Job 37 | 2Co. 7 |
| 9 | Job 38 | 2Co. 8 |
| 10 | Job 39 | 2Co. 9 |
| 11 | Job 40 | 2Co. 10 |
| 12 | Job 41 | 2Co. 11 |
| 13 | Job 42 | 2Co. 12 |
| 14 | Pr. 1 | 2Co. 13 |
| 15 | Pr. 2 | Ga. 1 |
| 16 | Pr. 3 | Ga. 2 |
| 17 | Pr. 4 | Ga. 3 |
| 18 | Pr. 5 | Ga. 4 |
| 19 | Pr. 6 | Ga. 5 |
| 20 | Pr. 7 | Ga. 6 |
| 21 | Pr. 8 | Ef. 1 |
| 22 | Pr. 9 | Ef. 2 |
| 23 | Pr. 10 | Ef. 3 |
| 24 | Pr. 11 | Ef. 4 |
| 25 | Pr. 12 | Ef. 5 |
| 26 | Pr. 13 | Ef. 6 |
| 27 | Pr. 14 | Flp. 1 |
| 28 | Pr. 15 | Flp. 2 |
| 29 | Pr. 16 | Flp. 3 |
| 30 | Pr. 17 | Flp. 4 |
| 31 | Pr. 18 | Col. 1 |

Abril

| | | |
|-----------|--------|--------|
| 1 | Pr. 19 | Col. 2 |
| 2 | Pr. 20 | Col. 3 |
| 3 | Pr. 21 | Col. 4 |
| 4 | Pr. 22 | 1Ts. 1 |
| 5 | Pr. 23 | 1Ts. 2 |
| 6 | Pr. 24 | 1Ts. 3 |
| 7 | Pr. 25 | 1Ts. 4 |
| 8 | Pr. 26 | 1Ts. 5 |
| 9 | Pr. 27 | 2Ts. 1 |
| 10 | Pr. 28 | 2Ts. 2 |
| 11 | Pr. 29 | 2Ts. 3 |
| 12 | Pr. 30 | 1Ti. 1 |
| 13 | Pr. 31 | 1Ti. 2 |
| 14 | Ec. 1 | 1Ti. 3 |
| 15 | Ec. 2 | 1Ti. 4 |
| 16 | Ec. 3 | 1Ti. 5 |
| 17 | Ec. 4 | 1Ti. 6 |
| 18 | Ec. 5 | 2Ti. 1 |
| 19 | Ec. 6 | 2Ti. 2 |
| 20 | Ec. 7 | 2Ti. 3 |
| 21 | Ec. 8 | 2Ti. 4 |
| 22 | Ec. 9 | Tit. 1 |
| 23 | Ec. 10 | Tit. 2 |
| 24 | Ec. 11 | Tit. 3 |
| 25 | Ec. 12 | Fil. |
| 26 | Cnt. 1 | Heb. 1 |
| 27 | Cnt. 2 | Heb. 2 |
| 28 | Cnt. 3 | Heb. 3 |
| 29 | Cnt. 4 | Heb. 4 |
| 30 | Cnt. 5 | Heb. 5 |

Plan de lectura diario - segundo año

Mayo

| | | |
|-----------|--------------|---------|
| 1 | Cnt. 6 | Heb. 6 |
| 2 | Cnt. 7 | Heb. 7 |
| 3 | Cnt. 8 | Heb. 8 |
| 4 | Is. 1 | Heb. 9 |
| 5 | Is. 2 | Heb. 10 |
| 6 | Is. 3-4 | Heb. 11 |
| 7 | Is. 5 | Heb. 12 |
| 8 | Is. 6 | Heb. 13 |
| 9 | Is. 7 | Stg. 1 |
| 10 | Is. 8.1-9.7 | Stg. 2 |
| 11 | Is. 9.8-10.4 | Stg. 3 |
| 12 | Is. 10.5-34 | Stg. 4 |
| 13 | Is. 11-12 | Stg. 5 |
| 14 | Is. 13 | 1Pe. 1 |
| 15 | Is. 14 | 1Pe. 2 |
| 16 | Is. 15 | 1Pe. 3 |
| 17 | Is. 16 | 1Pe. 4 |
| 18 | Is. 17-18 | 1Pe. 5 |
| 19 | Is. 19-20 | 2Pe. 1 |
| 20 | Is. 21 | 2Pe. 2 |
| 21 | Is. 22 | 2Pe. 3 |
| 22 | Is. 23 | 1Jn. 1 |
| 23 | Is. 24 | 1Jn. 2 |
| 24 | Is. 25 | 1Jn. 3 |
| 25 | Is. 26 | 1Jn. 4 |
| 26 | Is. 27 | 1Jn. 5 |
| 27 | Is. 28 | 2Jn. |
| 28 | Is. 29 | 3Jn. |
| 29 | Is. 30 | Jud |
| 30 | Is. 31 | Ap.1 |
| 31 | Is. 32 | Ap.2 |

Junio

| | | |
|-----------|--------|---------|
| 1 | Is. 33 | Ap.3 |
| 2 | Is. 34 | Ap.4 |
| 3 | Is. 35 | Ap.5 |
| 4 | Is. 36 | Ap.6 |
| 5 | Is. 37 | Ap.7 |
| 6 | Is. 38 | Ap.8 |
| 7 | Is. 39 | Ap.9 |
| 8 | Is. 40 | Ap.10 |
| 9 | Is. 41 | Ap.11 |
| 10 | Is. 42 | Ap.12 |
| 11 | Is. 43 | Ap.13 |
| 12 | Is. 44 | Ap.14 |
| 13 | Is. 45 | Ap.15 |
| 14 | Is. 46 | Ap.16 |
| 15 | Is. 47 | Ap.17 |
| 16 | Is. 48 | Ap.18 |
| 17 | Is. 49 | Ap.19 |
| 18 | Is. 50 | Ap.20 |
| 19 | Is. 51 | Ap.21 |
| 20 | Is. 52 | Ap.22 |
| 21 | Is. 53 | Mat. 1 |
| 22 | Is. 54 | Mat. 2 |
| 23 | Is. 55 | Mat. 3 |
| 24 | Is. 56 | Mat. 4 |
| 25 | Is. 57 | Mat. 5 |
| 26 | Is. 58 | Mat. 6 |
| 27 | Is. 59 | Mat. 7 |
| 28 | Is. 60 | Mat. 8 |
| 29 | Is. 61 | Mat. 9 |
| 30 | Is. 62 | Mat. 10 |

Plan de lectura diario - segundo año

Julio

| | | |
|-----------|---------|---------|
| 1 | Is. 63 | Mat. 11 |
| 2 | Is. 64 | Mat. 12 |
| 3 | Is. 65 | Mat. 13 |
| 4 | Is. 66 | Mat. 14 |
| 5 | Jer. 1 | Mat. 15 |
| 6 | Jer. 2 | Mat. 16 |
| 7 | Jer. 3 | Mat. 17 |
| 8 | Jer. 4 | Mat. 18 |
| 9 | Jer. 5 | Mat. 19 |
| 10 | Jer. 6 | Mat. 20 |
| 11 | Jer. 7 | Mat. 21 |
| 12 | Jer. 8 | Mat. 22 |
| 13 | Jer. 9 | Mat. 23 |
| 14 | Jer. 10 | Mat. 24 |
| 15 | Jer. 11 | Mat. 25 |
| 16 | Jer. 12 | Mat. 26 |
| 17 | Jer. 13 | Mat. 27 |
| 18 | Jer. 14 | Mat. 28 |
| 19 | Jer. 15 | Mar. 1 |
| 20 | Jer. 16 | Mar. 2 |
| 21 | Jer. 17 | Mar. 3 |
| 22 | Jer. 18 | Mar. 4 |
| 23 | Jer. 19 | Mar. 5 |
| 24 | Jer. 20 | Mar. 6 |
| 25 | Jer. 21 | Mar. 7 |
| 26 | Jer. 22 | Mar. 8 |
| 27 | Jer. 23 | Mar. 9 |
| 28 | Jer. 24 | Mar. 10 |
| 29 | Jer. 25 | Mar. 11 |
| 30 | Jer. 26 | Mar. 12 |
| 31 | Jer. 27 | Mar. 13 |

Agosto

| | | |
|-----------|-------------|------------|
| 1 | Jer. 28 | Mar. 14 |
| 2 | Jer. 29 | Mar. 15 |
| 3 | Jer. 30–31 | Mar. 16 |
| 4 | Jer. 32 | Sal. 1–2 |
| 5 | Jer. 33 | Sal. 3–4 |
| 6 | Jer. 34 | Sal. 5–6 |
| 7 | Jer. 35 | Sal. 7–8 |
| 8 | Jer. 36, 45 | Sal. 9 |
| 9 | Jer. 37 | Sal. 10 |
| 10 | Jer. 38 | Sal. 11–12 |
| 11 | Jer. 39 | Sal. 13–14 |
| 12 | Jer. 40 | Sal. 15–16 |
| 13 | Jer. 41 | Sal. 17 |
| 14 | Jer. 42 | Sal. 18 |
| 15 | Jer. 43 | Sal. 19 |
| 16 | Jer. 44 | Sal. 20–21 |
| 17 | Jer. 46 | Sal. 22 |
| 18 | Jer. 47 | Sal. 23–24 |
| 19 | Jer. 48 | Sal. 25 |
| 20 | Jer. 49 | Sal. 26–27 |
| 21 | Jer. 50 | Sal. 28–29 |
| 22 | Jer. 51 | Sal. 30 |
| 23 | Jer. 52 | Sal. 31 |
| 24 | Lm. 1 | Sal. 32 |
| 25 | Lm. 2 | Sal. 33 |
| 26 | Lm. 3 | Sal. 34 |
| 27 | Lm. 4 | Sal. 35 |
| 28 | Lm. 5 | Sal. 36 |
| 29 | Ez. 1 | Sal. 37 |
| 30 | Ez. 2 | Sal. 38 |
| 31 | Ez. 3 | Sal. 39 |

Plan de lectura diario - segundo año

Septiembre

| | | |
|-----------|--------|---------------|
| 1 | Ez. 4 | Sal. 40–41 |
| 2 | Ez. 5 | Sal. 42–43 |
| 3 | Ez. 6 | Sal. 44 |
| 4 | Ez. 7 | Sal. 45 |
| 5 | Ez. 8 | Sal. 46–47 |
| 6 | Ez. 9 | Sal. 48 |
| 7 | Ez. 10 | Sal. 49 |
| 8 | Ez. 11 | Sal. 50 |
| 9 | Ez. 12 | Sal. 51 |
| 10 | Ez. 13 | Sal. 52–54 |
| 11 | Ez. 14 | Sal. 55 |
| 12 | Ez. 15 | Sal. 56–57 |
| 13 | Ez. 16 | Sal. 58–59 |
| 14 | Ez. 17 | Sal. 60–61 |
| 15 | Ez. 18 | Sal. 62–63 |
| 16 | Ez. 19 | Sal. 64–65 |
| 17 | Ez. 20 | Sal. 66–67 |
| 18 | Ez. 21 | Sal. 68 |
| 19 | Ez. 22 | Sal. 69 |
| 20 | Ez. 23 | Sal. 70–71 |
| 21 | Ez. 24 | Sal. 72 |
| 22 | Ez. 25 | Sal. 73 |
| 23 | Ez. 26 | Sal. 74 |
| 24 | Ez. 27 | Sal. 75–76 |
| 25 | Ez. 28 | Sal. 77 |
| 26 | Ez. 29 | Sal. 78.1–37 |
| 27 | Ez. 30 | Sal. 78.38–72 |
| 28 | Ez. 31 | Sal. 79 |
| 29 | Ez. 32 | Sal. 80 |
| 30 | Ez. 33 | Sal. 81–82 |

Octubre

| | | |
|-----------|---------|------------------|
| 1 | Ez. 34 | Sal. 83–84 |
| 2 | Ez. 35 | Sal. 85 |
| 3 | Ez. 36 | Sal. 86 |
| 4 | Ez. 37 | Sal. 87–88 |
| 5 | Ez. 38 | Sal. 89 |
| 6 | Ez. 39 | Sal. 90 |
| 7 | Ez. 40 | Sal. 91 |
| 8 | Ez. 41 | Sal. 92–93 |
| 9 | Ez. 42 | Sal. 94 |
| 10 | Ez. 43 | Sal. 95–96 |
| 11 | Ez. 44 | Sal. 97–98 |
| 12 | Ez. 45 | Sal. 99–101 |
| 13 | Ez. 46 | Sal. 102 |
| 14 | Ez. 47 | Sal. 103 |
| 15 | Ez. 48 | Sal. 104 |
| 16 | Dn. 1 | Sal. 105 |
| 17 | Dn. 2 | Sal. 106 |
| 18 | Dn. 3 | Sal. 107 |
| 19 | Dn. 4 | Sal. 108–109 |
| 20 | Dn. 5 | Sal. 110–111 |
| 21 | Dn. 6 | Sal. 112–113 |
| 22 | Dn. 7 | Sal. 114–115 |
| 23 | Dn. 8 | Sal. 116 |
| 24 | Dn. 9 | Sal. 117–118 |
| 25 | Dn. 10 | Sal. 119.1–24 |
| 26 | Dn. 11 | Sal. 119.25–48 |
| 27 | Dn. 12 | Sal. 119.49–72 |
| 28 | Os. 1 | Sal. 119.73–96 |
| 29 | Os. 2 | Sal. 119.97– |
| 30 | Os. 3–4 | Sal. 119.121–144 |
| 31 | Os. 5–6 | Sal. 119.145–176 |

Plan de lectura diario - segundo año

Noviembre

| | | |
|-----------|--------|--------------|
| 1 | Os. 7 | Sal. 120–122 |
| 2 | Os. 8 | Sal. 123–125 |
| 3 | Os. 9 | Sal. 126–128 |
| 4 | Os. 10 | Sal. 129–131 |
| 5 | Os. 11 | Sal. 132–134 |
| 6 | Os. 12 | Sal. 135–136 |
| 7 | Os. 13 | Sal. 137–138 |
| 8 | Os. 14 | Sal. 139 |
| 9 | Joel 1 | Sal. 140–141 |
| 10 | Joel 2 | Sal. 142 |
| 11 | Joel 3 | Sal. 143 |
| 12 | Am. 1 | Sal. 144 |
| 13 | Am. 2 | Sal. 145 |
| 14 | Am. 3 | Sal. 146–147 |
| 15 | Am. 4 | Sal. 148–150 |
| 16 | Am. 5 | Lu. 1.1–38 |
| 17 | Am. 6 | Lu. 1.39–80 |
| 18 | Am. 7 | Lu. 2 |
| 19 | Am. 8 | Lu. 3 |
| 20 | Am. 9 | Lu. 4 |
| 21 | Abd. | Lu. 5 |
| 22 | Jon. 1 | Lu. 6 |
| 23 | Jon. 2 | Lu. 7 |
| 24 | Jon. 3 | Lu. 8 |
| 25 | Jon. 4 | Lu. 9 |
| 26 | Miq. 1 | Lu. 10 |
| 27 | Miq. 2 | Lu. 11 |
| 28 | Miq. 3 | Lu. 12 |
| 29 | Miq. 4 | Lu. 13 |
| 30 | Miq. 5 | Lu. 14 |

Diciembre

| | | |
|-----------|--------------|--------|
| 1 | Miq. 6 | Lu. 15 |
| 2 | Miq. 7 | Lu. 16 |
| 3 | Nah. 1 | Lu. 17 |
| 4 | Nah. 2 | Lu. 18 |
| 5 | Nah. 3 | Lu. 19 |
| 6 | Hab. 1 | Lu. 20 |
| 7 | Hab. 2 | Lu. 21 |
| 8 | Hab. 3 | Lu. 22 |
| 9 | Sof. 1 | Lu. 23 |
| 10 | Sof. 2 | Lu. 24 |
| 11 | Sof. 3 | Jn. 1 |
| 12 | Hag. 1 | Jn. 2 |
| 13 | Hag. 2 | Jn. 3 |
| 14 | ZHch. 1 | Jn. 4 |
| 15 | ZHch. 2 | Jn. 5 |
| 16 | ZHch. 3 | Jn. 6 |
| 17 | ZHch. 4 | Jn. 7 |
| 18 | ZHch. 5 | Jn. 8 |
| 19 | ZHch. 6 | Jn. 9 |
| 20 | ZHch. 7 | Jn. 10 |
| 21 | ZHch. 8 | Jn. 11 |
| 22 | ZHch. 9 | Jn. 12 |
| 23 | ZHch. 10 | Jn. 13 |
| 24 | ZHch. 11 | Jn. 14 |
| 25 | ZHch. 12.1– | Jn. 15 |
| 26 | ZHch. 13.2–9 | Jn. 16 |
| 27 | ZHch. 14 | Jn. 17 |
| 28 | Mal. 1 | Jn. 18 |
| 29 | Mal. 2 | Jn. 19 |
| 30 | Mal. 3 | Jn. 20 |
| 31 | Mal. 4 | Jn. 21 |

Abreviatura de los libros de la Biblia

Libros del Antiguo Testamento

| | | | |
|--------------|------|---------------|-------|
| Génesis | Ge. | Eclesiastés | Ec. |
| Éxodo | Ex. | Cantares | Cnt. |
| Levítico | Lv. | Isaías | Is. |
| Números | Nm. | Jeremías | Jer. |
| Deuteronomio | Dt. | Lamentaciones | Lm. |
| Josué | Jos. | Ezequiel | Ez. |
| Jueces | Jue. | Daniel | Dn. |
| Rut | Ru. | Oseas | Os. |
| 1 Samuel | 1Sa. | Joel | Joel |
| 2 Samuel | 2Sa. | Amós | Am. |
| 1 Reyes | 1Re. | Abdías | Abd. |
| 2 Reyes | 2Re. | Jonás | Jon. |
| 1 Crónicas | 1Cr. | Miqueas | Miq. |
| 2 Crónicas | 2Cr. | Nahúm | Nah. |
| Esdras | Esd. | Habacuc | Hab. |
| Nehemías | Neh. | Sofonías | Sof. |
| Ester | Est. | Hageo | Hag. |
| Job | Job | Zacarías | Zac.. |
| Salmos | Sal. | Malaquías | Mal. |
| Proverbios | Pr. | | |

The Books of the New Testament

| | | | |
|------------------|------|-------------|------|
| Mateo | Mat. | 1 Timoteo | 1Ti. |
| Marcos | Mar. | 2 Timoteo | 2Ti. |
| Lucas | Lu. | Tito | Tit. |
| Juan | Jn. | Filemón | Fil. |
| Hechos | Hch. | Hebreo | Heb. |
| Romanos | Ro. | Santiago | Stg |
| 1 Corintios | 1Co. | 1 Pedro | 1Pe. |
| 2 Corintios | 2Co. | 2 Pedro | 2Pe. |
| Gálatas | Ga. | 1 Juan | 1Jn. |
| Efesios | Ef. | 2 Juan | 2Jn. |
| Filipenses | Flp. | 3 Juan | 3Jn. |
| Colosenses | Col. | Judas | Jud. |
| 1 Tesalonicenses | 1Ts. | Apocalipsis | Ap. |
| 2 Tesalonicenses | 2Ts. | | |



Sociedad Bíblica Trinitaria

OBJETIVOS DE SOCIEDAD BÍBLICA TRINITARIA

- **Publicar y distribuir** las Sagradas Escrituras por todo el mundo y en diversos idiomas.
- **Promover** traducciones de la Biblia que sean exactas y confiables, utilizando el Texto Masorético hebreo para el Antiguo Testamento y el Texto Recibido griego para el Nuevo Testamento.
- **Contribuir** a llevar luz y vida, a través del Evangelio de Cristo, a aquellos que están perdidos en el pecado y en la oscuridad de la falsa religión y la incredulidad.
- **Defender las doctrinas** del Cristianismo reformado, dando testimonio de la divinidad igual y eterna de Dios Padre, Dios Hijo y Dios Espíritu Santo, un solo Dios en tres Personas.
- **Defender la Biblia** como la inspirada e infalible Palabra de Dios.
- **Para la gloria de Dios y la expansión de Su reino** a través de la circulación de versiones protestantes y no corrompidas de la Palabra de Dios.

VISITE

www.SociedadBiblicaTrinitaria.org

www.facebook.com/SociedadBiblicaTrinitaria